सूर्योदय 6.16AM सूर्यास्त 06.03PM
चंद्रोदय 7.25AM चंद्रास्त 06.47PM
आश्विन-18 कृष्ण- 14
सूर्य राशि : कन्या
तिथिः द्वितीया 05:30AM
नक्षत्रः चित्रा 06:38PM
योगः वैधृति 05:22AM
करणः बालव 04:15PM

• वर्ष : 6 • अंक: 5 • मूल्य : 4 रू.

• RNI No. -DELHIN/2019/78266

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

मदरलैण्ड वॉइस

राष्ट्र प्रेमियों का दैनिक समाचार पत्र

शुक्रवार , 4 अक्टूबर 2024

दिल्ली से प्रकाशित एवं जयपुर, लुधियाना, चंडीगढ़, पटना, रायपुर, देहरादून, शिमला में प्रसारित

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

सीएसआईआर-सीरी में 'औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए टेराहर्ट्ज प्रौद्योगिकी' पर इंडो-जर्मन कार्यशाला का शुभारंभ

जर्मन और भारतीय वैज्ञानिकों एवं शिक्षाविदों द्वारा दिए जाएंगे तकनीकी व्याख्यान

» सुनील कुमार शर्मा, मदरलैंड संवाददाता

पिलानी। सीएसआईआर-सीरी (उरकफ-उएएफक) में 3 से 5 अक्टूबर तक ₹औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए टेराहर्ट्ज प्रौद्योगिकी₹ विषय पर आयोजित की जा रही तीन-दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का गुरुवार को शुभारंभ हुआ। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में बिट्स पिलानी के इमेरिटस प्रोफेसर एवं सीरी के पूर्व निदेशक प्रो. चंद्रशेखर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। साथ ही विशिष्ट अतिथि के रूप में टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेन्टल रिसर्च के प्रो. श्रीगणेश प्रभु; गोयथे यूनिवर्सिटी, फ्रेंकफर्ट, जर्मनी के प्रो. हार्टमुट रॉस्कॉस, तथा श्री साकिब शेख उपस्थित थे। भारतीय और जर्मन वैज्ञानिकों के बीच प्रभावी जानकारी के आदान-प्रदान और भविष्य में इस चुनौतीपूर्ण तकनीक के क्षेत्र में संयुक्त रूप से शोध एवं विकास के लिए सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। कार्य शाला में जर्मनी एवं भारत के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों एवं शोध संस्थानों से शिक्षाविद एवं वैज्ञानिक तथा शोधार्थी सम्मिलित हुए। कार्यशाला

के उद्घाटन सत्र के दौरान अतिथियों ने कार्यशाला की स्मारिका (एब्सट्रैक्ट बुक) का भी विमोचन किया। मुख्य अतिथि प्रोफेसर चंद्रशेखर ने अपने संबोधन में टेराहर्ट्ज टेक्नोलॉजी को इलेक्ट्रोमेग्नेटिक्स का अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र बताते हुए स्पेक्ट्रोस्कोपी, चिकित्सा आदि क्षेत्रों में इसकी असीम संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए इसके महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने ऐसे शैक्षणिक एवं शोध समागमों के नियमित रूप से आयोजन पर बल दिया। अपने संबोधन में विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर श्रीगणेश प्रभु एवं प्रोफेसर हार्टमुट रॉस्कॉस ने भी महत्वपूर्ण विषय पर इस कार्यशाला के आयोजन पर डॉ पंचारिया, डॉ नीरज और उनकी टीम की सराहना की। इस अवसर पर श्री साकिब शेख ने भारत एवं जर्मनी के बीच शोध एवं विकास सहयोग की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह वर्ष दोनों देशों के बीच परस्पर सहयोग का स्वर्ण जयंती वर्ष है। इससे पूर्व डॉ पी सी पंचारिया ने अतिथियों का औपचारिक स्वागत किया तथा अतिथियों को संस्थान के प्रमुख शोध क्षेत्रों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से दोनों देशों के बीच प्रगाढ़ वैज्ञानिक सहयोग को बढ़ावा मिलेगा, जिससे वैश्विक स्तर पर इस अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र में हो रहे प्रयासों के साथ तालमेल स्थापित करने में मदद मिलेगी।आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ अनिर्बान बेरा, मुख्य वैज्ञानिक ने कार्यशाला के बारे में जानकारी देते हुए इसकी सफलता की कामना की। तीन-दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला के भारतीय संयोजक डॉ नीरज कुमार, प्रधान वैज्ञानिक ने कार्यशाला के तकनीकी सत्रों की विस्तृत जानकारी दी।